संपादकीय

बदल रही मेडिकल शिक्षा

एक तरफ नैशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) बिल के कानून बनने का रास्ता साफ हो गया है, दूसरी तरफ इसके खिलाफ डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन भी बढ़ता जा रहा है। भारी विरोध के बीच गुरुवार को राज्य सभा में यह बिल पास हो गया जबकि लोकसभा में यह 29 जुलाई को ही पास हो गया था। राज्य सभा में एक अमेंडमेंट पास होने के कारण इसे लोकसभा में फिर से पारित कराना पड़ेगा लेकिन सरकार को इसमें कोई दिक्क त नहीं होगी। इस बिल के तहत मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) का किस्सा खत्म करके उसकी जगह नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) का गठन किया जाएगा।

अब तक एमसीआई के पास मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन, मेडिकल शिक्षा और डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन जैसे काम होते थे, जो अब एनएमसी के पास चले जाएंगे। बिल में मेडिकल शिक्षा को बेहतर बनाने और मौजूदा स्वास्थ्य तंत्र को सक्षम बनाने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं लेकिन इनमें से ज्यादातर पर डॉक्टरों को आपत्ति है। जैसे बिल के 32वें प्रावधान के तहत कम्यूनिटी हेल्थ प्रोवाइडर्स को मरीजों को दवाइयां लिखने और उनका इलाज करने का लाइसेंस मिलेगा। इस पर डॉक्टरों की आपत्ति है कि इससे मरीजों की जान खतरे में पड़ जाएगी। बिल में एक प्रावधान यह भी है कि आयुर्वेद-होम्योपैथी डॉक्टर ब्रिज कोर्स करके एलोपैथिक इलाज कर पाएंगे। डॉक्टरों का कहना है कि इससे नीम-हकीमी को बढ़ावा मिलेगा। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों को अपनी कुल सीटों में से 50 फीसदी की फीस तय करने का हक मिलेगा, जिस पर डॉक्टरों की राय है कि इससे प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में भ्रष्टाचार बढ़ेगा। सबसे बड़ा बदलाव यह कि एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने आखिरी इम्तहान के रूप में डॉक्टरों को एग्जिट टेस्ट पास करना होगा। इससे वे प्रैक्टिस करने के हकदार होंगे और पोस्ट ग्रैजुएशन में उन्हें एडमिशन भी इसी के आधार पर दिया जाएगा।

अभी तक यह सिर्फ विदेश से एमबीबीएस करके आने वालों के लिए जरूरी था। डॉक्टरों का एतराज है कि ऐसे टेस्ट की व्यवस्था किसी और स्ट्रीम में नहीं है और टेस्ट में नाकाम रहने पर उनका करियर नष्ट हो सकता है। लेकिन डॉक्टरों को समझना चाहिए कि उनका काम लोगों की जिंदगी बचाने का है, जिसे महज एक करियर की तरह नहीं देखा जा सकता। अभी की व्यवस्था में पैसा झोंककर आए खराब डॉक्टरों की भरमार हो गई है। एग्जिट टेस्ट से उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी। रही बात होम्योपैथ और अन्य चिकित्सा पद्धतियों में सक्रिय लोगों को मुख्यधारा में लाने की तो भारत जैसे देश के लिए यह बहुत बड़ी पहल है। आज मामूली मर्ज के लिए भी एक्सपर्ट्स के पास जाना पड़ता है जबकि गांवों में लोग झोलाछाप डॉक्टरों पर निर्भर हैं। उन्हें छोटी बीमारियों के इलाज के लिए तैयार किया जा सके तो इसमें हर्ज क्या है!

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एक साल में 32 फीसदी टूटा रूई का भाव

नईदिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार के चलते पिछले एक साल में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रूई (कॉटन) का भाव 32 फीसदी से ज्यादा टूटा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रूई के दाम में आई गिरावट से भारतीय रूई बाजार में बेचैनी का माहौल है। भारतीय वायदा बाजार में पिछले साल के मुकाबले रूई के भाव में 16 फीसदी की गिरावट आई है।

मुंबई स्थित डीडी कॉटन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अरुण शेखसरिया ने बताया कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव का कॉटन बाजार

पर काफी असर पड़ा है। इसकी वजह यह है कि कॉटन की सबसे ज्यादा खपत चीन में होती और अमेरिका कॉटन का सबसे बड़ा निर्यातक है। दो बड़े व्यापारिक साझेदारों के बीच टकराव के कारण दुनियाभर का कॉटन बाजार प्रभावित हुआ है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा कॉटन उत्पादक देश है।

गुजरात के कड़ी स्थित एस. राजा एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के दिलीप पटेल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कॉटन में आई गिरावट से भारतीय बाजार में आगे भाव और भी टूटेगा, क्योंकि फिलहाल स्थिति में सुधार की संभावना कम दिखती है।

बीते कारोबारी सत्र के दौरान शुक्रवार को देश के सबसे बड़े वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर कॉटन के चालू महीने का अनुबंध पिछले सत्र के मुकाबले 510 रुपये यानी 2.48 फीसदी की गिरावट के साथ 20,060 रुपए प्रति गांठ (170 किलो) पर बंद हुआ। पिछले साल दो अगस्त को एमसीएक्स पर कॉटन का भाव 23,990 रुपये प्रति गांठ था। इस प्रकार पिछले एक साल में रूई के भाव में 3,930 रुपये प्रति गांठ यानी 16.38 फीसदी की गिरावट आई है।

बाजार सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बेंचमार्क कॉटन गुजरात शंकर-6 (29 एमएम) का भाव इस सप्ताह 42,000-42,300 रुपये प्रति कैंडी (356 किलो) रहा जबकि पिछले साल इसी महीने के दौरान देश में शंकर-6 वेरायटी का कॉटन 46,700 रुपये प्रति कैंडी के ऊपर ही था।

इंटरकॉटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर शुक्रवार को कॉटन का दिसंबर अनुबंध 2.95 सेंट यानी 4.73 फीसदी की गिरावट के साथ 59.42 सेंट प्रति पौंड पर बंद हुआ। पिछले साल दो अगस्त को आईसीई पर कॉटन का भाव 88.17 सेंट प्रति पौंड था। इस प्रकार आईसीई पर पिछले एक साल में कॉटन के भाव में 32.62 फीसदी की गिरावट आई है।

टाटा कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा, सीसीडी पर कोई बकाया नहीं

नईदिल्ली (आरएनएस)। टाटा कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज (टीसीएफएस) ने कहा है कि कैफे कॉफी डे (सीसीडी) के संस्थापक वी जी सिद्धार्थ ने अपने सभी ऋण चुका दिये थे और सीसीडी पर कंपनी का कोई कर्ज बकाया नहीं है। टीसीएफएस का बयान ऐसे समय में आया है जब यह चर्चा है कि कॉफी क्षेत्र के दिग्गज सिद्धार्थ ने वित्तीय दबाव की वजह से अपनी जान दी है। टीसीएफएस ने कहा कि वित्त वर्ष 2017-18 में सीसीडी समूह पर उसका 165 करोड़ रुपये का बकाया था लेकिन उसने मार्च, 2019 तक पूरी राशि चुका दी गयी थी। टाटा कैपिटल लि. की अनुषंगी टीसीएफएस ने कहा कि कैफे कॉफी डे समूह की किसी भी कंपनी पर उसका बकाया नहीं है।

सीआईआई का सरकार से 5जी स्पेक्ट्रम का आरक्षित मूल्य कम करने का आग्रह

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से 5जी स्पेक्ट्रम के आरक्षित मूल्य को कम करने का आग्रह किया है। उद्योग मंडल ने कहा कि स्पेक्ट्रम की ऊंची कीमतों से क्षेत्र की वृद्धि रुकेगी और दूरसंचार सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में दिक्कतें आएंगी। सीआईआई ने आगाह किया है कि प्रति ग्राहक औसत आय (एआरपीयू) कम होने की वजह से दूरसंचार कंपनियों के लिए 5जी स्पेक्ट्रम की आगामी नीलामी में भाग लेना काफी मुश्किल है। ऊंचे आरक्षित मूल्य से उनकी परेशानी और बढ़ेगी। सीआईआई ने सरकार को इस बारे में ज्ञापन दिया है। 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी इस वर्ष होनी है।सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, भारत का दूरसंचार क्षेत्र अपनी तेज वृद्धि के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है और यहां का शुल्क सबसे सस्ता है। इससे गरीब उपयोगकर्ताओं और सुदूर इलाकों के लोगों को दूरसंचार सेवाओं के इस्तेमाल की सहूलियत मिलती है। आरक्षित मूल्य ऊंचा होने से इस विकास की गति रुक जाएगी एवं समाज के गरीब तबके तक दूरसंचार सेवाओं उपलब्ध कराने में भी बाधा आएगी। सीआईआई ने स्पेक्ट्रम की कीमत तय करने की वर्तमान व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय बाजार में डॉलर प्रति मेगाहर्ट्ज प्रति आबादी का मॉडल अनुचित है क्योंकि दूरसंचार सेवाओं की कीमत बहुत कम है जबकि आबादी बहुत ज्यादा है।

ग्लोबल टी20: युवराज ने 22 गेंदों में जड़ दिए 51 रन

नई दिल्ली । युवराज सिंह ने भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर ब्रैम्पटन में खेले जा रही ग्लोबल टी20 कनाडा के दूसरे सीजन में अपने बल्ले का जौहर दिखा रहे हैं।

शनिवार को युवराज सिंह ने एक बार फिर धमाकेदार बल्लेबाजी की। टोरंटो नैशनल्स के कप्तान ने महज 22 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। हालांकि उनका यह प्रदर्शन भी उनकी टीम को जीत नहीं दिला पाई और टीम ग्रुप स्टेज के इस मुकाबले में ब्रैम्पटन वोल्स से हार

का सामना करना पड़ा।

जॉर्ज मन्से के 66 रनों की बदौलत वोल्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 222 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में रॉयल्स ने ब्रैंडन मैकलम की तेज-तर्रार 36 रनों की पारी की बदौलत मजबूत शुरुआत की।

युवराज चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और आते ही उन्होंने आक्रामक अंदाज अपनाया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अपने पुराने अंदाज में नजर आया। उन्होंने कई शानदार शॉट लगाए। अपनी पारी में उन्होंने पांच छक्के और तीन चौके भी लगाए। उन्होंने इस टी20 टूर्नमेंट में अपनी पहली हाफ सेंचुरी भी लगाई। युवराज 16वें ओवर में आउट हो गए और उनकी टीम 11 रनों से हार गई।

लॉडरहिल टी-20 : सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

लॉडरहिल (फ्लोरिडा)। पहले टी-20 मैच में चार विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को यहां सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। तीन मैचों की टी-20 सीरीज में भारतीय टीम 1-0 से आगे चल रही है। शनिवार को दोनों टीमों के बीच यहां सीरीज का पहला टी-20 मैच हुआ था।

भारतीय टीम अगर दूसरा मुकाबला जीत लेती है तो वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेश में आठ साल बाद सीरीज जीतने का गौरव हासिल करेगी। पिछली बार भारत ने 2011 में वेस्टइंडीज में 1-0 से सीरीज जीता था।

दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 12 टी-20 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से भारतीय टीम ने छह में जीत दर्ज की है जबकि वेस्टइंडीज को पांच मैचों में जीत मिली है। एक मुकाबले में नतीजा नहीं निकला।

आज का राशिफल

मेषः- कारोबार सामान्य रहेगा। मनोरंजन कार्य पर खर्च होगा। आज आपको अपनी प्रतिभा का लाभ मिलेगा और आपकी पहचान बनेगी।

वृषभः- आज के दिन कोई नया कार्य न शुरू करें। जोखिमपूर्ण निवेश करने से बचें। पूरे दिन किसी से वाद-विवाद में न पड़ें।

मिथुनः- पराक्रम में वृद्धि होगी। आज आपका मनोबल बढ़ेगा। कारोबार में बढ़ोत्तरी होगी। नए संपर्क बनेंगे जिनके होने से आपको लाभ होगा।

कर्कः- लेन-देन के कार्यों में सावधान रहें। धन निवेश करते समय विशेष सावधानी बरतें। आज किसी को उधार न दें, क्योंकि आज दिए हुए धन के वापस आने की संभावना कम है।

सिंहः- प्रत्येक कार्य के लिए आज खुद से प्रयास अथवा स्वयं कोशिश करने से ही सफलता मिलेगी।

कन्याः- खर्च की अधिकता रहेगी। किसी न किसी कारण से अनावश्यक खर्च होने के संकेत मिल रहे हैं। व्यर्थ की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

तुलाः- आपकी आमदनी में बढ़ोत्तरी होगी। धन लाभ होगा। जोखिमपूर्ण निवेश करें तो लाभ अवश्य मिलेगा।

वृश्चिकः- आपका सितारा अनुकूल है। आपको हर क्षेत्र में लाभ के साथ सफलता प्राप्त होगी। कामकाज में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी।

धनुः- आपकी धार्मिक प्रवृत्ति में बढ़ोत्तरी होगी। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपके विरोधी परास्त होंगे और यात्रा लाभकारी रहेगी।

मकरः- आज परिश्रम अधिक और लाभ कम रहेगा। कार्यों में बाधाएं आने की आशंका है। आज यात्रा करने से बचें।

कुंभः- अगर कोई नया रोजगार शुरू करने की सोच रहे हैं, तो यह समय बहुत शुभ है इसलिए अवश्य प्रारंभ कर सकते हैं। आपको इसमें सफलता अवश्य मिलेगी।

मीनः- आज संघर्ष के बाद सफलता अवश्य मिलेगी। कोई नया ऑर्डर अथवा अनुबंध मिलने की संभावना है। शत्रु बलहीन रहेंगे। भाग्य 50 प्रतिशत साथ देगा।

सितंबर में मीटिंग कर राष्ट्रमंडल खेलों का बहिष्कार करने पर फैसला लेगा आईओए

नई दिल्ली । भारतीय ओलिंपिक संघ की कार्यकारी परिषद सितंबर में बैठक करके यह फैसला लेगी कि उसे 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेना है या नहीं। इंग्लैंड के बर्मिंगम में होने वाले अगले राष्ट्रमंडल खेलों से निशानेबाजी के हटने के कारण आईओए ने कहा था कि वे इन खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे।

आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने कहा, च्कई खिलाड़ियों ने

कहा है कि इन खेलों में खेलना उनका अधिकार है और हमने इस पर गौर किया है। कार्यकारी परिषद अगले महीने बैठक करेगी और इस मुद्दे पर फैसला लेगी।ज

खेलों का बहिष्कार करने के मुद्दे पर आईओए ने खेल मंत्रालय से भी उसकी राय मांगी थी। इससे पहले, ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा और पहलवान साक्षी मलिक जैसे कई खिलाड़ियों ने कहा था कि राष्ट्रमंडल खेलों का बहिष्कार करना कोई विकल्प नहीं है।

टाटा मोटर्स में उत्पादन ठप- कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजा

नईदिल्ली (आरएनएस)। सरकार कुछ भी दावे कर ले, लेकिन देश भर में अब मंदी की मार दिखने लगी है। हालत यह हैं कि देश की 30 स्टील कंपनियों पर ताला लटक गया है। वहीं दूसरी तरफ टाटा मोटर्स के जमशेदपुर स्थित प्लांट में उत्पादन ठप कर दिया गया है। जमशेदपुर के आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित 12 स्टील कंपनियों पर गुरुवार को ताला लग गया। वहीं 30 अन्य कंपनियों पर भी आने वाले दिनों में ताला लग सकता है।

अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्रों की बिक्री जुलाई में 61 प्रतिशत गिरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्रों की बिक्री जुलाई महीने में कम आपूर्ति के कारण 61 प्रतिशत गिरकर 6.29 लाख इकाइयों पर आ गयी। पिछले साल जुलाई में 16.18 लाख इकाइयों की बिक्री हुई थी। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आयी है। देश में इंडिया एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) और पावर एक्सचेंज ऑफ इंडिया (पीएक्सआईएल) ही अक्ष्य ऊर्जा प्रमाणपत्रों तथा बिजली का कारोबार करती है। इन प्रमाणपत्रों का व्यापार हर महीने के आखिरी बुधवार को किया

जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल जुलाई महीने में आईईएक्स में 4.92 लाख प्रमाणपत्रों का कारोबार हुआ जो पिछले साल समान महीने में 10 लाख था। इसी तरह पीएक्सआईएल में बिक्री 6.18 लाख से गिरकर 1.37 लाख प्रमाणपत्रों पर आ गयी।आईईएक्स के आंकड़ों के अनुसार, मात्रा में गिरावट तथा कीमतों में तेजी का मुख्य कारण मार्च 2019 के बाद आपूर्ति में कमी है।

स्वादिष्ट चाकलेट केक बनाने की विधि ...

सामग्री

1 अंडा
3 टेबल स्पून तेल
3 टेबल स्पून दूध
4 टेबल स्पून मैदा
4.5 टेबल स्पून चीनी
1/2 टी स्पून बेकिंग पाउडर
1.5 टेबल स्पून कोको पाउडर
एक चुटकी नमक
कुछ बूंदें वनिला एसेंस

चॉकलेट मग केक बनाने की विधि

माइक्रोवेव में ओवरफ्लो से बचने के लिए एक बड़े मग का इस्तेमाल करें और मग में अंडा तोड़े। इसमें तेल और अंडा डालकर कर अच्छे से फेंटे और स्मूद बैटर तैयार कर लें। अब इसमें सभी सामग्री जैसे मैदा, पीसी हुई चीनी, बेकिंग पाउडर, कोको पाउडर, नमक और कुछ बूंद वनिला एसेंस की डालकर कांटे की मदद से अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब अपने मग को माइक्रोवेव के बीच में रखें और 2-3 मिनट के लिए पकाएं। माइक्रोवेव में पकाने का तरीका अलग होता है। आपका चॉकलेट मग केक 10 मिनट के अंदर तैयार हो जाएगा। इसे थोड़ी देर ठंडा होने दें और फिर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 46

बाएं से दाएं
1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे
1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

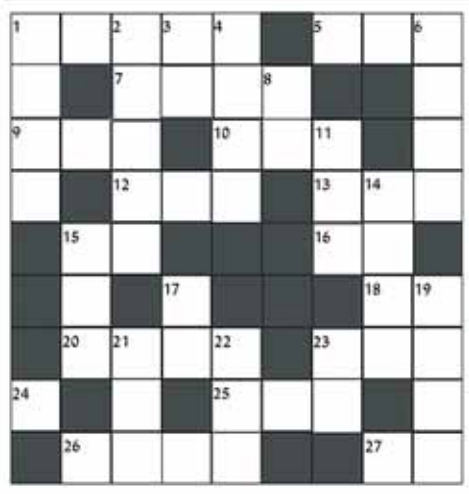

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

सू-दोकू- 46

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.45 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2